चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद, हरियाणा

हरियाणा सरकार द्वारा वर्ष 2014 में विधानमंडल अधिनियम संख्या 28 द्वारा स्थापित

(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 12 (b) और 2 (f) के तहत मान्यता प्राप्त)

तीन-दिवसीय अतंर्विषयी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

5-7 जुलाई 2021

" योग एवं संगीत: चिकित्सकीय आयाम "

Seminar Joining Link:

https://teams.microsoft.com/l/meetup-join/19%3ameeting_ZmQyY2IwYjctOWU0OC00ZmI3LWEzNzUtY2IzZGI2Mzg1MTYw%40thread.v2/0?context=%7b%22Tid%22%3a%227e17046c-8ef9-4eab-83ab-cb79df758485%22%2c%22Oid%22%3a%2207968343-91fc-485c-a2cc-1f5d7a0428a7%22%7d

आयोजक

योग विज्ञान विभाग तथा संगीत एवं नृत्य विभाग

संपर्क सूत्र:

डॉ० भावना, सहायक प्राध्यापिका **(7206669970)**

श्री जयपाल सिंह राजपूत, सहायक प्राध्यापक **(98966887522)**

श्रीमती ज्योति मलिक, सहायक प्राध्यापिका **(7988514254)**

मुख्य संरक्षक

प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा

कुलगुरु

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद, हरियाणा

संरक्षक

डॉ० राजेश बंसल

कुलसचिव

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद, हरियाणा

संयोजिका

डॉ० ज्योति श्योराण

अध्यक्ष

योग विज्ञान विभाग और संगीत एवं नृत्य विभाग

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद, हरियाणा

आयोजन सचिव

डॉ० कविता

सहायक प्राध्यापिका, संगीत एवं नृत्य विभाग

डॉ० विरेन्द्र कुमार

सहायक प्राध्यापक, योग विज्ञान विभाग

आयोजन समिति सदस्य

संगीत एवं नृत्य विभाग

डॉ० कृष्ण कुमार
सहायक प्राध्यापक

डॉ० भावना
सहायक प्राध्यापिका

योग विज्ञान विभाग

श्री जयपाल सिंह राजपूत
सहायक प्राध्यापक

डॉ० मन्जू सुहाग
सहायक प्राध्यापिका

श्रीमती ज्योति मलिक
सहायक प्राध्यापिका

सुश्री सुमन पूनिया
सहायक प्राध्यापिका

अंग्रेजी विभाग

श्रीमती ममता
सहायक प्राध्यापिका

सुश्री पल्लवी
सहायक प्राध्यापिका

“ योग एवं संगीत: चिकित्सकीय आयाम ”
अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए पंजीकरण प्रपत्र:

ईमेल _____

1. नाम _____

2. पूर्वलग्न: श्री, सुश्री, श्रीमती, डॉ॰. _____

3. लिंग _____

4. पदनामः विद्यार्थी, शोधार्थी, सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर _____

5. विभाग _____

6. संगठन/संस्थान/विश्वविद्यालय _____

7. दूरभाष संख्या _____

8. शहर _____

9. राज्य _____

10. राष्ट्रीयता _____

11. शोधपत्र प्रस्तुतीकरण : हाँ _____ नहीं _____

12. शोधपत्र का शीर्षक _____

13. भुगतान का प्रकार _____

14. संपर्क _____

विश्वविद्यालय -एक परिचय: वर्ष **2014** में राज्य विधानमंडल अधिनियम **28** द्वारा, **24** जुलाई **2014** को चैधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय की स्थापना की गई। लगभग **75** एकड़ भूमि में विस्तारित यह विश्वविद्यालय गोहाना बाई पास से मात्र **2** किलोमीटर की दूरी पर स्थापित है। विश्वविद्यालय की स्थापना नवीन सोच, वैज्ञानिक जाँच, उदात्त मानवीय मूल्यों, स्थायी पारिस्थितिकी और लोकतांत्रिक लोकाचार द्वारा निर्देशित ज्ञान के उत्पादन और प्रसार के लिए सबसे अनुकूल माहौल बनाकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की दृष्टि से की गई थी। विश्वविद्यालय का उद्देश्य मानव गतिविधि के हर क्षेत्र में नेतृत्व करने और सेवा करने के लिए हमारी विरासत के बारे में एक समृद्ध जागरूकता के साथ नागरिकों को उन्नत बनाना है।

योग विज्ञान विभाग- विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत स्ववित्त-पोषित योजनान्तर्गत वर्ष **2015** से पी०जी० डिप्लोमा योग विज्ञान विषय के रूप में आरंभ किया गया, तत्पश्चात वर्ष **2016** से पी०जी० डिप्लोमा योग विज्ञान तथा एम०ए० और एम०एस०सी० योग का कोर्स आरंभ किया गया तथा वर्ष **2018** से विश्वविद्यालय में स्वतंत्र रूप से योग विज्ञान विभाग की स्थापना की गई है। योग विज्ञान विभाग के बहुत से विद्यार्थियों ने न केवल राष्ट्रीय अपितु अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। अनेक विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित होने वाली योग विषय की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा एवं कनिष्ठ अनुसंधान अनुदान की परीक्षा उत्तीर्ण की है। दृढ़ संकल्प से संकल्पित होकर विभाग के प्राध्यापक और समस्त विद्यार्थी निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर है।

संगीत और नृत्य विभाग- संगीत और नृत्य विभाग की उत्पत्ति वर्ष **2012** में संगीत और नृत्य संकाय के तहत कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर क्षेत्रीय केंद्र, जींद के हिस्से के रूप में **20** सीटों के साथ शिक्षाविदों को बढ़ावा देने और संगीत सीखने के लिए हुई है। क्षेत्रीय केंद्र **24** जुलाई **2014** को एक पूर्ण राज्य विश्वविद्यालय- चैधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय का अति महत्वपूर्ण विभाग संगीत एवं नृत्य विभाग निरतंर भारतीय शास्त्रीय संगीत के विस्तार हेतु प्रयासरत है। यह विभाग विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के आयोजन में बहुत सक्रिय है। इस विभाग के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में अपना परचम लहराया है।

संगोष्ठी के बारे में- योग और संगीत का मानव जीवन में विशेष महत्व है। जहाँ योग जीवन जीने की कला से संबंधित है तो वहीं संगीत जीवन में भाव संवेदना को जागृत करने की प्रमुख विधा है। वर्तमान समय में कोविड-**19** महामारी के परिणामस्वरूप अनेक चुनौतियाँ सभी के सामने उभरकर आई है। ऐसी विषम परिस्थिति में योग और संगीत के चिकित्सकीय पहलुओं को अपनाकर समग्र स्वास्थ्य की परिकल्पना संभव है, इसी परिपेक्ष में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के प्रख्यात शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं और बुद्धिजीवियों को योग एवं संगीत के विभिन्न चिकित्सकीय आयामों के बारे में सोचने, मंथन करने, चर्चा करने और विचार-विमर्श करने की आवश्यकता है।

संकट के इस समय को एक अवसर के रूप में उपयोग करने के लिए, योग विज्ञान विभाग एवं संगीत और नृत्य विभाग, चैधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद, हरियाणा ने योग और संगीत की विभिन्न विधाओं के क्षेत्रों के लोगों को '**योग एवं संगीतः चिकित्सकीय आयाम**' नामक आभासी संगोष्ठी के माध्यम से इकट्ठा होने, भाग लेने, चर्चा करने और योगदान करने के लिए प्रेरित करने और आमंत्रित करने का निर्णय लिया है।

इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य योग और संगीत के विभिन्न क्षेत्रों की चिकित्सकीय प्रणाली को विकसित करना और जन-जाग्रति के माध्यम से प्रचारित-प्रसारित करना है। जीवन के सभी क्षेत्रों के पेशेवरों, विशेषज्ञों, व्यापारियों, शिक्षाविदों, शोध विद्वानों और विभिन्न विषयों के छात्रों को संगोष्ठी उप-विषयों के क्षेत्रों में शोध लेखों के रूप में विचार-विमर्श करने और योगदान देने के लिए आमंत्रित किया जाता है। शोध लेखों के योगदानकर्ता आभासी मंच के माध्यम से संगोष्ठी में अपने लेख प्रस्तुत करेंगे।

संगोष्ठी में कौन भाग ले सकता है? इस संगोष्ठी में योग और संगीत क्षेत्र से जुड़े पेशेवर, विशेषज्ञ, व्यवसायी, शिक्षाविद, शोध विद्वान और विभिन्न संगठनों, विश्वविद्यालयों, संस्थानों, कॉलेजों, विभागों, सलाहकारों, छात्र और निजी क्षेत्र शोध लेखों में योगदान और शोध पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं। चयनित लेखों के योगदानकर्ताओं को संगोष्ठी में अपने शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

विषय एवं उपविषयः

- योगः समग्र चिकित्सा के रूप में
- हठयोग का चिकित्सकीय आयाम
- मंत्रयोग का चिकित्सकीय आयाम
- राजयोग का चिकित्सकीय आयाम
- कुंडलिनीयोग का चिकित्सकीय आयाम
- नादयोग का चिकित्सकीय आयाम
- कर्मयोग का चिकित्सकीय आयाम
- भक्तियोग का चिकित्सकीय आयाम
- राजयोग अष्टांग योग का चिकित्सकीय आयाम
- स्वर योग का चिकित्सकीय आयाम
- संगीतः चिकित्सा के रूप में
- भारतीय संगीत एक रोग निवारक औषधि
- सांगीतिक वाद्य यंत्रों द्वारा रोग उपचार
- भारतीय शास्त्रीय संगीत मे रागों द्वारा रोग उपचार
- संतुलित हृदय गति हेतु संगीत के वादों का प्रभाव
- मानवीय संवेदनाएं एवं संगीत
- मानसिक संतुलन में संगीत की भूमिका
- संगीत एक वास्तविक योग

सम्पूर्ण शोध लेख प्रस्तुत करने के लिए दिशा-निर्देश: संपूर्ण शोध लेख प्रस्तुत करने के लिए दिशा-निर्देश: शोधपत्र उच्च गुणवत्तापूर्ण मूलरुप से अप्रकाशित और उपर्युक्त विषय अथवा उपविषयों से संबंधित होना चाहिए। उसमें उपर्युक्त विषयों के रूप में वैचारिक, रचनात्मक, प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक कार्य या अनुसंधान, जो प्रगति पर है, का वर्णन अवश्य हो। शोधपत्र प्रस्तुत करने का अर्थ है कि यह कहीं और प्रकाशन के लिए विचाराधीन नहीं है।

पांडुलिपि प्रस्तुत करना: सभी पांडुलिपियाँ ईमेलः crsuyogamusic@gmail.com पर ऑनलाइन माध्यम से जमा होनी चाहिए, शोध पत्र अंग्रेजी माध्यम के लिए 12 पॉइंट टाइम्स न्यू रोमन फॉन्ट का उपयोग करते हुए 25 मिमी अन्तर के साथ सिंगल वर्ड फाइल होनी चाहिए। हिन्दी माध्यम के लिए kurtidev 10 esa font size16 के साथ 1.5 अन्तर से भेज सकते हैं। एकल शब्द फाइल में एपीए दिशानिर्देशों के अनुसार शीर्षक पृष्ठ, सार, मुख्य पाठ, टेबल, चार्ट, छवियों को उपयुक्त स्थानों पर और अंत में संदर्भ शामिल होना चाहिए।

शोध सार: 150 शब्दों से अधिक लंबा नहीं होना चाहिए। संदर्भों को अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन (एपीए दिशानिर्देश) के प्रकाशन मैनुअल में निर्धारित शैली में उद्धृत किया जाना चाहिए। प्रत्येक आकृति-तालिका को शीर्षक से क्रमांकित किया जाना चाहिए। आकृति या मेज की स्थिति केवल लेख के भीतर उचित स्थान पर ही रखी जानी चाहिए। शोध पत्र की कुल लंबाई 3००० शब्दों से अधिक नहीं होनी चाहिए (सार, तालिका, चार्ट, संदर्भ आदि शामिल हैं)।

पंजीकरण शुल्क: प्रतिभागियों से अनुरोध है कि वे पहले से पंजीकरण करें। पंजीकरण शुल्क विद्यार्थी/शोधार्थी के लिए 100/- रुपये एवं शिक्षकगण/अन्य के लिए 200/-रूपये रहेगा। विदेशी प्रतिभागियों विद्यार्थी/शोधार्थी के लिए 800/- रूपये तथा शिक्षकगण/अन्य के लिए 1000/-रूपये रहेगा।

पंजीकरण लिंक:

http://crsuiums.com/(S(ck14p2vfm2bod5as5kj2l0gs))/Acd_Yoga_Registration.aspx

स्मारिका और कार्यवाही: पूरे देश में प्रतिनिधियों और संबंधित संस्थानों के बीच व्यापक वितरण के लिए सम्मेलन के दौरान एक स्मारिका निकाली जाएगी। सम्मेलन के अनुसार चयनित सभी को आईएसबीएन नंबर के साथ सम्मेलन की ई कार्यवाही के रूप में भी प्रकाशित किया जाएगा।

महत्वपूर्ण तिथियाँ:

सारांश भेजने की अंतिम तिथि:- **30 जून, 2021**

सम्पूर्ण शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि:- **2 जुलाई, 2021**